5/2/22 डा. गिरजा उराँव
एसोसिएट प्रोफेसर
विषय - मनोविज्ञान (3)
स्नातक भाग II

6. पायलट अध्ययन (pilot study) :- वृहत रूप से अध्ययन करने के पहले शोधकर्ता छोटे पैमाने पर एक अध्ययन करता है, जिसको प्रारंभिक अध्ययन अथवा पायलट अध्ययन कहा जाता है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह है कि जो अध्ययन शोधकर्ता करने जा रहा है वह वस्तुतः व्यवहार्य है या नहीं, यदि वह व्यवहार्य होता है तो उसे वृहत रूप से किया जाता है और यदि व्यवहार्य नहीं होता है तो छोड़ दिया जाता है।

7. परीक्षण संचालन और प्रदत्त संग्रह (Test administration and data collection) - शोध की यह अवस्था काफी महत्वपूर्ण है। इस अवस्था में काफी सावधानी की आवश्यकता पड़ती है। इस अवस्था में वास्तविक शोध शुरू किया जाता है। निर्धारित समय तथा स्थान के अनुसार शोधकर्ता प्रयोज्यों के पास जाता है और उनपर अपेक्षित परीक्षणों का संचालन करता है।

8. परिणाम एवं विवेचना (Results and discussion) - शोध की इस अवस्था परिणामों की विवेचना की जाती है। इस बात की व्याख्या की जाती है कि इस चर के संबंध में जो परिकल्पना बनायी गयी थी वह सही प्रमाणित या गलत। सही या गलत प्रमाणित होने के कारणों की व्याख्या पहले किये गये शोधों के परिणाम के आलोक में की जाती है।

9. वैज्ञानिक सामान्यीकरण (scientific generalization) शोध या अनुसंधान की इस अवस्था में प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण किया जाता है इसके शब्दों में जो परिणाम थोड़े से लोगों के संबंध में प्राप्त होता है उसे सभी लोगों पर लागू किया जाता है।